Dr. Pragya Rai Asst. Prof.
Political Science
Maharaja College

FEBRUARY 2009 WEDNESDAY 18
049-316
Week 8

दबाव समूहों के प्रकार

दबाव समूहों को मोटे तौर पर निम्नलिखित श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है —

(1) व्यापारिक समूह
(2) श्रमिक संगठन
(3) कृषक समूह
(4) व्यावसायिक संगठन
(5) धार्मिक संगठन

(1) व्यापारिक समूह —

इस समूह का उद्देश्य होता है कुछ वस्तुओं के उत्पादन एवं वितरण पर कुछ प्रतिबंध लगाये जायें, कुछ वस्तुओं के आयात एवं निर्यात को प्रतिबंधित किया जाये तथा विभिन्न पदार्थों के मूल्यों का निर्धारण

19 THURSDAY
050-315
Week 8

किया जाये आदि। कुछ व्यापारिक समूहों के उदाहरण हैं — National Association of Manufacturers of USA, Federation of British Industries, National Council of French Employes, Federation of German Industries and Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry – FICCI)

किसी भी व्यापारिक समूह का मूल कार्य अपने व्यापारिक हितों की सुरक्षा करना है और इसके लिये वे करों में वृद्धि का विरोध करते हैं तथा श्रमिकों पर न्यूनतम नियंत्रण की मांग करते हैं।

(2) श्रमिक संगठन —

संयुक्त राज्य अमेरिका में सन् 1886 में American Federation

of Labour की स्थापना के साथ ही श्रमिक संघों की राजनीति का प्रारम्भ हुआ। समुचित मजदूरी और भत्तों का भुगतान, काम के औचित्यपूर्ण घंटे, उचित सेवा सुविधायें तथा दुर्घटना की स्थिति में उचित मुआवजे का भुगतान इत्यादि श्रमिक संघों का उद्देश्य होता है। इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये वे निरंतर प्रयत्नशील रहते हैं और इसके लिये दबाव की राजनीति करते हैं। ये दबाव समूह प्राय: किसी न किसी राजनीतिक दल से सम्बद्ध होते हैं।

भारत में Indian National Trade Union Congress (INTUC), All India Trade Union Congress (AITUC) आदि प्रमुख श्रमिक संगठन हैं।

(PTO)

(3) व्यावसायिक संगठन –

व्यावसायिक संगठन, विभिन्न व्यवसायों से संबद्ध व्यक्तियों के हितों के लिये कार्य करते हैं। ये अपने-अपने व्यवसायों के लिये उचित सेवा शर्तें तथा आर्थिक से अधिक सुविधायें प्राप्त करवाने के लिये दबाव की राजनीति करते हैं। अध्यापक संघ, चिकित्सक संघ, वकीलों के संगठन इत्यादि संघ, व्यवसायों के आधार पर संगठित दबाव समूह हैं।

(4) कृषक समूह –

कृषकों के दबाव समूह का मुख्य उद्देश्य कृषकों के हितों की रक्षा करना है। वे प्रयास करते हैं कि आधुनिकीकरण के दुष्परिणामों से बचा जाये तथा किसानों को आधुनिकीकरण से

सकारात्मक सुविधायें प्राप्त हो सकें। इनमें किसानों को मिलने वाली आर्थिक राहत (Subsidy) को जारी रखना तथा कृषि उत्पादों के लिये उचित न्यूनतम मूल्य निर्धारित करवाना आदि शामिल हैं।

(5) धार्मिक संगठन —

धार्मिक दबाव समूह प्राय: अपने धर्म के हितों की रक्षा के लिये संगठित किये जाते हैं। भारत के संदर्भ में धर्म तथा सम्प्रदाय से संबंधित समूहों को धार्मिक दबाव समूह की श्रेणी में रखा जा सकता है।

प्रश्न — (1) विभिन्न प्रकार के दबाव समूहों का वर्णन कीजिये।